

अध्याय - 2 | जीव जगत का वर्गीकरण

- प्रोटिस्टा जगत के अंतर्गत किस प्रकार के जीवों को शामिल किया गया है?
 - सभी प्रोकैरियोटिक जीव
 - सभी एककोशिक यूकैरियोटिक जीव
 - सभी बहुकोशिक यूकैरियोटिक जीव
 - केवल प्रकाश संश्वेषी जीव(B)

व्याख्या: प्रोटिस्टा जगत में सभी एककोशिक यूकैरियोटिक जीव आते हैं, जिनकी कोशिकाओं में सुसंगठित केंद्रक तथा जिल्ली-बद्ध अंग होते हैं।

- क्राइसोफाइट्स (Chrysophytes) के अंतर्गत कौन-से जीव सम्मिलित हैं?
 - यूग्लीना और पैरामीशियम
 - डाइटम और डेस्मिड
 - अमीबा और प्लास्मोडियम
 - गोन्याउलेक्स और टिपैनोसोमा(B)

व्याख्या: क्राइसोफाइट्स समूह में डाइटम (Diatom) और डेस्मिड (Desmid) सम्मिलित हैं, जो जल में तैरते सूक्ष्म जीव होते हैं।

- डाइटम की कोशिका भित्ति की संरचना कैसी होती है?
 - सेल्युलोज की एकल परत
 - दो असमान भागों वाली सिलिका कवच
 - लिग्निन की मोटी परत
 - प्रोटीन परत(B)

व्याख्या: डाइटम की कोशिका भित्ति सिलिका से बनी दो असमान भागों वाली कवच जैसी होती है, जिससे यह बहुत कठोर होती है।

- डाइटम मृदा (Diatomaceous Earth) का उपयोग कहाँ किया जाता है?
 - काँच निर्माण में
 - परफ्यूम निर्माण में
 - पॉलिश पाउडर और फिल्टर में
 - औषधि निर्माण में(C)

व्याख्या: डाइटम मृदा का उपयोग पॉलिश पाउडर, तेल और चीनी के परिशोधन में फिल्टर के रूप में किया जाता है।

- डाइनोफलैजेलेट्स (Dinoflagellates) में जैव-संदीप्ति (Bioluminescence) किसके कारण होती है?
 - ऑक्सीजन की उपस्थिति
 - प्रकाश संश्वेषण
 - विशेष प्रकाश उत्पन्न करने वाले एंजाइम
 - लाल रंगद्रव्य(C)

व्याख्या: डाइनोफलैजेलेट्स में जैव-संदीप्ति विशेष एंजाइमों की क्रिया से होती है, जिससे ये समुद्र में प्रकाश उत्सर्जित करते हैं।

- रेड टाइड' (Red Tide) किस कारण से बनता है?
 - अमीबा की वृद्धि से
 - डाइनोफलैजेलेट्स की अत्यधिक वृद्धि से
 - यूग्लीना की मृत्यु से
 - मछलियों की संख्या में कमी से(B)

व्याख्या: समुद्र में डाइनोफलैजेलेट्स की अत्यधिक वृद्धि से जल लाल दिखाई देता है, जिसे रेड टाइड' कहा जाता है।

- यूग्लीनॉड्ड (Euglenoid) की कोशिका भित्ति के स्थान पर क्या पाया जाता है?
 - सेलूलोज भित्ति
 - पेशिका
 - काइटिन
 - प्रोटीन कवच(B)

व्याख्या: यूग्लीनॉड्ड की कोशिका भित्ति अनुपस्थित होती है; इसके स्थान पर लचीली पेशिका (Pellicle) पाई जाती है, जो गति में सहायक होती है।

- स्लाइम मोल्ड (Slime Mould) किस प्रकार के पोषण को प्रदर्शित करते हैं?
 - परपोषी
 - परपोषी और परजीवी दोनों
 - मृतोपजीवी
 - सहजीवी(C)

व्याख्या: स्लाइम मोल्ड मृतोपजीवी होते हैं और सड़ती हुई वस्तुओं से कार्बनिक पदार्थों का अवशोषण करते हैं।

- प्रोटोजोआ (Protozoa) किस प्रकार के जीव होते हैं?
 - बहुकोशिकीय और स्वपोषी
 - एककोशिकीय और परपोषी
 - बहुकोशिकीय और परजीवी
 - यूकैरियोटिक और प्रकाश संश्वेषी(B)

व्याख्या: प्रोटोजोआ एककोशिकीय परपोषी जीव होते हैं, जो अन्य सूक्ष्मजीवों पर निर्भर रहते हैं।

- माइकोप्लाज्मा किसकी अनुपस्थिति के कारण विशिष्ट है?
 - नामिक
 - माइटोकॉन्ड्रिया
 - कोशिका भित्ति
 - कोशिका जिल्ली(C)

व्याख्या: माइकोप्लाज्मा सबसे छोटा प्रोकैरियोटिक जीव है जिसकी कोशिका भित्ति अनुपस्थित होती है, इस कारण यह बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकता है।